

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	वैशाख 19, गुरुवार, शाके 1946-मई 09, 2024 <i>Vaisakha 19, Thursday, Saka 1946- May 09, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, अप्रेल 03, 2024

संख्या प. 2(16)वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर-भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29, उप-धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है,

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्व नहीं किये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचाने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तिगत अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती है। तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेख सम्पादित होने तक उक्त वनभूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी। और न उन पर कोई प्रभाव प्रडेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष जो संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राज.पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरो को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची							
क्र.स.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा विवरण	नाम ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल है० में
1	रजवास ए	निवाई	टोंक	उत्तर दिशा ख.न.175/8, 175/7, 175/6,175/5, 175/4	रजवास	175/9	15.1757 है०
						202/1	1.7705 है०
				दक्षिण दिशा ख.नं. 209,208,207,199, 200, 210,302,204,193		206	0.5056 है०
				पूर्व दिशा ख.न. 346,344,345,343,342, 341, 337,340,353,350			
				पश्चिम दिशा में खं.नं. 49 49/2366167,169,174, 177, 178,173,159			
योग						17.4518 है०	

लक्ष्मी कान्त जैमन,
वन प्रसार अधिकारी,
निवाई टोंक राज.।

मरिय शाइन ए. IFS,
उप वन संरक्षक,
टोंक।

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड रजवास ए
पेडो की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Acacia Nilotica	देशी बबूल
2	Prosopis Cineraria	खेजडी
3	Capparis Decidua	कैर
4	Azadirachta indica	नीम
5	Acacia tortilis	इजरायली बबूल
6	Acacia senegal	कुमठा

लक्ष्मी कान्त जैमन,
वन प्रसार अधिकारी,
निवाई टोंक राज.।

मरिय शाइन ए. IFS,
उप वन संरक्षक,
टोंक।

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उपवन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र
जो लागू नहीं होता है उसे काट दे**

वनखण्ड का नाम:-रजवास ए

रेंज:-निवाई

वन मंडल:-जिला टोंक

1. संलग्न प्रारूप में दर्शयी गई भूमि का वर्गीकरण कमशः गैर मुमकिन पहाड़ गैर मुमकिन नाखर/मंगरा/गैर कृषि पायती है जंगलात जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 07 में विस्तृत रूप से खसरा नं. का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है/कराना है इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिए लिये जिला कलेक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है तथा प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः 17.4518 है0 में प्ला. एवं अन्य विकास कार्य आगामी वर्षों में करवाया जाना है। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए है। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 04-07 है तथा कुछ क्षेत्र में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों देशी बबूल, कैर, खेजडी, नीम, इजरायली बबूल, कुमठा का लगभग प्रतिशत 5-10 क्रमशः है, तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है
5. प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है प्रस्ताव संख्या FP/RJ/WATER/11042/2013 ईसरदा डेम निर्माण में प्रभावित हुई वन भूमि की एवज में खसरा ग्राम कस्बा निवाई तहसील निवाई में कुल 17.4518 है0 गैर वन भूमि का आवंटन जिला कलेक्टर टोंक के द्वारा किया गया जो कि वन विभाग के खाते में दर्ज है। समीपवर्ती स्थित क्षेत्र राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन चरागाह, वन भूमि है चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वंछित मानचित्र नक्शों संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

**लक्ष्मी कान्त जैमन,
वन प्रसार अधिकारी,
निवाई टोंक राज.।**

**मरिय शाइन ए. IFS,
उप वन संरक्षक,
टोंक।**